विश्व एड्स दिवस

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में यूथ रैड क्रॉस सोसाइटी, महिला प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में दिनांक 01 दिसम्बर, 2015 को विश्व एड्स दिवस पर विद्यार्थियों को जागरुक करने के लिए एक वार्ता आयोजित की गई. इस सुअवसर पर डॉ० अरुण सिंघल एवं डॉ० शालिनी पाल (मेडिकल आफिसर ई.एस.आई. सेक्टर 7, फरीदाबाद) के साथ साथ डॉ० एम.पी. सिंह (समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं एड्स नियन्त्रण सोसायटी, पंचकूला के) प्रेरक वक्ता के रुप में उपस्थित थे. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता ने आगन्तुक वक्ताओं का स्वागत करते हुए एड्स दिवस को संकल्प दिवस एवं जागरुकता दिवस के रुप में मनाने की अपील करते हुए यह सूत्र दिया कि "बचाव से ही बचाव" है. डॉ० शालिनी पाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि विश्व एड्स दिवस के माध्यम से विश्वभर के लोगों को इस बीमारी के विषय में जानने का अवसर मिलता है तथा साथ ही यह भी संदेश मिलता है कि एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है. उन्होंने एच. आई.वी. संक्रमण और एड्स के अन्तर को भी बताते हुए एड्स के बारे में बेसिक जानकारियाँ दी. डॉ० एम.पी. सिंह ने एड्स के कारणों व उपचारों की जानकारी देते हुए इससे सम्बन्धित समाज में फैली भ्रान्तियों का भी निराकरण किया. उन्होंने बताया कि जानकारी व सावधानी से इस रोग की चपेट में आने से बचा जा सकता है. उदाहरणों के माध्यमसे एड्स

की संपूर्ण जानकारी दी एवं समस्त युवा पीढ़ी को सचेत किया. डॉ० अरूण सिंघल ने विद्यार्थियों को एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि एच.आई.वी. का टेस्ट मात्र दस रुपये में वी.के. हास्पिटल में कराया जा सकता है. डॉ० नरेश कामरा ने आगंन्तुक अतिथियों का महत्वपूर्ण जानकारियाँ देने के लिए आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम के अन्त में डॉ० एम.पी. सिंह ने विद्यार्थियों को भविष्य में अपने जीवन साथी के प्रति वफादार रहने एवं एड्स जागरुकता से संबंधित शपथ दिलाई. कार्यक्रम का संयोजन वाई. आर.सी.सी. के कार्यक्रमाधिकारी डॉ० जयपाल सिंह, डॉ० ऊषा चौधरी एवं एन.एस.एस. अधिकारी डॉ० रेखा सैन एवं महिला प्रकोष्ठ अधिकारी डॉ० रेनू माहेश्वरी ने किया. इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त वरिष्ठ एवं कनिष्ठ प्रवक्ताओं ने सहभागिता की. विद्यार्थियों ने अपने सजग व जिज्ञासु प्रश्नों के माध्यम से वार्ता में विशेष रुचि दिखाई. मंच संचालन श्रीमती किरण आनन्द ने किया.